>

Title: Need to construct a pedestrian sub-way at Etawah railway station in Etawah Parliamentary Constituency in Uttar Pradesh.

श्री प्रेमदास (इटावा): माननीया सभापति जी, आपने एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मुझे मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद।

आज का युग वैज्ञानिक युग है, आधुनिक युग है, फास्ट युग है। इस दौर में रेलवे का बहुत बड़ा महत्व है। आज 80-90 परसेंट लोग रेल से यात्रा करते हैं। जब रेल पटरियां बनाई गई, तब जनसंख्या कम थी, जबकि आज जनसंख्या बहुत बढ़ गई है। जब रेल बनाई गई, तब शहर छोटे थे, उस साइज़ से रेलों का निर्माण किया गया। दिल्ली-हावड़ा रूट पर इटावा एक स्टेशन पड़ता है। इसमें हर एक घंटे में तीन-चार गाड़ियां निकलती हैं। वहां पैदल पटरी पार करने के लिए लोग बहुत परेशान होते हैं। ऐसी स्थिति में इटावा स्टेशन में पश्चिम साइड में एक पैदल पुल बनाने की आवश्यकता है। इसके अलावा ग्वालियर, भिंड से इटावा एक नयी रेल पटरी बनी, जिसका पुल बहुत नीचा बना दिया है। उस पर से कोई भी ट्रक नहीं निकल सकता है, इसकी जांच की जाए। यह कचौरा रोड पर स्थापित है। आज इंजीनियर इतने फास्ट और होशियार हो गए, फिर भी इतनी बड़ी गलती जनहित में की जा रही है। सभापति महोदया, इस पर बहुत गंभीरता से विचार किया जाए।